By
Rahul Kumar Jha
Dept.of Political Science

Lecture-1

Topic – Total Revolution by Jaya Prakash Narayan

Class – B.A. Degree – I (Hons., P – II)

Subject – Political science

Date – 12 october, 2020

By Rahul Kumar Jha.

जय प्रकाश नारायण के संपूर्ण क्रांति संबंधी राजनीतिक विचार :-

लोकनायक जयप्रकाश नारायण आधुनिक भारत के ऐसे राजनीतिक-विचारक थे जिन्हें भारतीय समाजवाद का अग्रणी प्रवक्ता माना जाता है। जयप्रकाशजी समाजवाद के मानवीय और लोकतंत्रीय रूप के समर्थक थे जो उन्हें भारतीय संस्कृति और संस्कारों के अनुरूप प्रतीत हुआ।

सामाजिक परिवर्तन के स्वरूप और सीमाक्षेत्र की परिभाषा होने के लिए जयप्रकाशजी ने संपूर्ण क्रांति का

2020/10/12 11:18

विचार प्रस्तुत किया। उन्होंने संकेत किया कि सोवियत संघ में समाजवाद "सत्तारूढ़ गुटों के बीच शक्ति के संघर्ष" में बदल गया है। इस विकृत और भ्रष्ट समाजवाद ने वहां राजनीतिक शक्ति के भारी जमाव के साथ-साथ आर्थिक शक्ति को भी एक ही जगह केंद्रित कर दिया है।

समाजवाद के नाम पर 'सर्वोच्चाधिकार' 'सर्वाधिकारवाद' का यह घिनौना रूप हमें यह चेतावनी देता है कि 'लोकतंत्रीय समाजवाद' को सार्थक करने के लिए आर्थिक शक्ति का विकेंद्रीकरण और स्थानांतरण सर्वथा आवश्यक है। संपूर्ण क्रांति की संकल्पना यह व्यक्त करती है कि केवल शासन-व्यवस्था को बदल देने या एक सरकार की जगह दूसरी सरकार स्थापित

कर देने से समाज का उद्धार नहीं होगा। इसके लिए संपूर्ण समाज-व्यवस्था को बदलना होगा। आर्थिक विषमता और सामाजिक भेदभाव को जड़ से मिटाना होगा, इस परिवर्तन को गति देने के लिए जयप्रकाश जी ने युवा-शक्ति का आह्वान किया जिसे जन-शक्ति को अपने साथ लेकर राज्य-शक्ति के विरुद्ध संघर्ष करना होगा।

अतः उन्होंने समाजवाद के अस्त्र को भारत के स्वाधीनता संग्राम और सामाजिक क्रांति - इन दोनों मोर्चों पर प्रयोग के लिए उपयुक्त बनाने का प्रयत्न किया। परंतु इन प्रस्तावों को व्यावहारिक रूप देने के लिए जिस स्वच्छ और त्यागमय राजनीति की आवश्यकता है, वर्तमान अवस्था में उसकी आशा करना सचमुच कठिन है।

2020/10/12 11:20